दैनिक भास्कर रांची, गुरुवार 21 मई, 2015 6

इक्फाई विवि

रियल स्टेट के क्षेत्र में रोजगार पर सेमिनार, वीसी ने कहा

कोर्सों में किए गए बदलाव

एजुकेशन रिपोर्टर | रांची

इक्फाई विश्वविद्यालय में बुधवार को 'पांच वर्ष में रियल स्टेट के क्षेत्र में रोजगार' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। आयोजन इक्फाई यूनिवर्सिटी झारखंड और इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स की ओर से किया गया था।

मौके पर वीसी प्रोफेसर ओएस राव ने कहा कि प्रधानमंत्री की मेक इन इंडिया से देश में रोजगार के अवसर बढ़ने वाले हैं। तकनीकी पेशेवरों के लिए यह अच्छी खबर है। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए इक्फाई विवि ने अपने कोर्सों में बदलाव किया है। बीटेक प्रोग्राम के अलावा तीन वर्षीय टेक्नोलॉजी कोर्स (पॉलिटेक्निक) शुरू कर रहा है। इसमें रोबोटिक समेत अन्य नवीनतम पाठ्यक्रम को शामिल कर अपडेट किया गया है। इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स के पूर्व अध्यक्ष एपी राय ने प्रोग्राम की सराहना की। डॉ. हरिहरण, रजिस्ट्रार डॉ. बीएम सिंह समेत अन्य विशेषज्ञों ने विचार रखे। सेमिनार में छात्रों को शॉर्प स्किल डेवलप करने पर जोर दिया गया।

सेमिनार में स्टूडेंट्स के शॉर्प स्किल डेवलप करने पर जोर दिया गया।

रांची LIVE युवा हिन्दुस्तान गुरुवार, 21 मई 2015 18

देश में पांच साल में बढ़ेंगे रोजगार के अवसर: राव

बुधवार को इक्फाई विवि की आयोजित सेमिनार में बोलते अतिथि।

रांची | संवाददाता

सेमिनार
दलादली कैंपस

इक्फाई विवि और इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स की ओर से बुधवार को दलादली स्थित कैंपस में सेमिनार का आयोजन किया गया। इसका विषय था- अगले पांच वर्षों में विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार के अवसर। सेमिनार में मेकन, उषा मार्टिन और हिन्दुस्तान टाइल्स जैसे कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों ने अपनी बातें रखीं।

विवि के कुलपति ओआरएस राव ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मेक इन इंडिया से अगले पांच साल में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। इसी को ध्यान में रखकर विवि ने भी अपने पाठ्यक्रमों में बदलाव किया है।

रामेश्वरम समूह के प्रबंध निदेशक चंद्रकांत रायपत ने कहा झारखंड सरकार को विनिर्माण क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को विस्तार करने के लिए निवेश लाना होगा। धन्यवाद ज्ञापन रजिस्ट्रार बीएम सिंह ने किया।

खबर मंत्र www.epaperkhabarmantra.com शिक्षा दीक्षा web www.khabarmantra.com रांची, गुरुवार, 21 मई, 2015 05

विनिर्माण के क्षेत्र में रोजगार के अवसर विषय पर संगोष्ठी

प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा की शुरुआत

संवाददाता

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय तथा इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) के संयुक्त तत्वाधन में अगले पांच वर्षों में विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार के अवसर विषय पर संगोष्ठी का आयोजन गुरुवार को किया गया।

संगोष्ठी में मेकॉन, उषा मार्टिन, हिंदुस्तान टाइम्स जैसे प्रतिष्ठित कंपनियों के अधिकारियों ने भाग लेकर विषय वस्तु पर प्रकाश डाला। स्वागत भाषण देते हुवे कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि प्रधानमंत्री की मेक इन इंडिया की पहल विनिर्माण क्षेत्र में अगले पांच वर्षों में तकनीकी पेशेवरों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ने के उद्देश्य से की गयी है। उद्देश्य को पूरा करने के लिए विवि अपने पाठ्यक्रमों में बदलाव किया है। वर्तमान में बीटेक प्रोग्राम के अलावा विवि इस सत्र से 3 साल का प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा की शुरुआत करने जा रहा है। संगोष्ठी में इंडिया के पूर्व अध्यक्ष एपी राय, रामेश्वरम् समूह के प्रबंध निदेशक चंद्रकांत रायपत, मेकॉन के पूर्व अधिकारी अरविंद कुमार, उषा मार्टिन के सीनियर जीएम बालकृष्णन, इक्फाई विवि के कुलसचिव डॉ बीएम सिंह आदि उपस्थित रहे।

संगोष्ठी का उद्घाटन करते प्रो ओआरएस राव व अन्य।

the pioneer capital 03
RANCHI | THURSDAY | MAY 21, 2015

ICFAI UNIVERSITY CONDUCTS SEMINAR

The ICFAI University, Jharkhand, in association with Institution of Engineers (India), Jharkhand State Centre, organised a seminar on Wednesday on "Career Opportunities in Manufacturing Sector in the next five years" at its Daladali Campus in Ranchi. CEOs and MDs of reputed manufacturing companies like MECON, Usha Mratin Industries, and Hindustan Tiles etc addressed the seminar.

प्रभात खबर \ कैंपस रांची, गुरुवार, 21 मई, 2015 www.prabhatkhabar.com 06

संगोष्ठी. मेक इन इंडिया के लिए इक्फाई विवि तैयार करेगा पेशेवर, वीसी ने कहा

प्रौद्योगिकी डिप्लोमा कोर्स शुरू होगा

अगले पांच वर्षों में विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार के भरपूर अवसर तकनीकी तौर पर तैयार किये जायेंगे छात्र

मुख्य संवाददाता, रांची

इक्फाइ विवि तथा इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) के सहयोग से संगोष्ठी का आयोजन किया गया. दलादली स्थित परिसर में आयोजित इस संगोष्ठी का विषय अगले पांच वर्षों में विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार के अवसर था. इसमें मेकन, उषा मार्टिन, हिंदुस्तान टाइल्स सहित कई कंपनियों के अधिकारी शामिल हुए. कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि प्रधानमंत्री की मेक इन इंडिया से विनिर्माण क्षेत्र में अगले पांच वर्षों में तकनीकी पेशेवरों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ने की आशा है.

इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए विवि ने अपने पाठ्यक्रमों में बदलाव किया है. मौजूदा बीटेक प्रोग्राम के अलावा इस सत्र से प्रौद्योगिकी में तीन वर्षीय डिप्लोमा (पॉलिटेक्निक) कोर्स शुरू हो रहा है. विवि के एसोसिएट डीन प्रो मदन प्रसाद ने कहा कि बीटेक (मेकेनिकल) पाठ्यक्रम में सीएडी/सीएएम और रोबोटिक जैसे नवीनतम पाठ्यक्रम को जोड़कर अपडेट किया गया है. संगोष्ठी को शैक्षणिक सलाहकार डॉ हरि हरण ने भी संबोधित किया. कुलसचिव डॉ बीएम सिंह ने संगोष्ठी में आयो प्रतिनिधियों का धन्यवाद ज्ञापन किया.

दीप जलाकर संगोष्ठी का उदघाटन करते अतिथि.

इनके प्रतिनिधि हुए शामिल

संगोष्ठी में इंस्टीट्यूटशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) के पूर्व अध्यक्ष एपी राय ने कहा कि यह झारखंड में तकनीकी छात्रों को जागरूक करने की अच्छी पहल है. रामेश्वरम समूह के प्रबंध निदेशक अरविंद कुमार ने विवि के छात्रों को सीएडी कौशल प्राप्त करने की सलाह दी. उषा मार्टिन के सीनियर जीएम बालकृष्णन ने छात्रों को सॉफ्ट स्किल में कौशल बढ़ाने की सलाह दी. साथ ही सफलता के लिए चरित्र निर्माण के महत्व पर जोर दिया.

4 रांची गुरुवार 21-05-2015 राष्ट्रीय खबर शिक्षा/धर्म web : www.rashtriyakhabar.net epaper.rashtriyakhabar.com

ईक्फाई विवि.

विनिर्माण के क्षेत्र में रोजगार के अवसर पर संगोष्ठि

पांच वर्ष में बढ़ेगा रोजगार : वीसी

संवाददाता

रांची : ईक्फाई विश्वविद्यालय तथा इंस्टीट्यूशन ऑफिल इंजीनियर्स (इंडिया) के सहयोग से अगले पांच वर्षों में विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार के अवसर विषद पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ ओआरएस राव ने कहा कि प्रधानमंत्री के मेक इन इंडिया की पहल विनिर्माण क्षेत्र में अगले पांच वर्षों में तकनीकी पेशेवरों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने की आशा कि जाती है। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए और मेक इन इंडिया को सफल बनाने के लिए ईक्फाई विवि में बीटेक प्रोग्राम के अलावा इस सत्र से तीन वर्षीय प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा कार्यक्रम शुरू कर रहा है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के एसोसिएट डीन प्रो मदन प्रसाद ने कहा कि बीटेक मैकेनिक पाठ्यक्रम में सीएडी, सीएएम और रोबोटिक जैसे नीवनतम् पाठ्यक्रम को जोड़कर अपडेट किया गया है। गोष्ठी में इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया के पूर्व अध्यक्ष एपी राय ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए विवि की सराहना की तथा कहा कि झारखंड राज्य में तकनीकी क्षेत्र के छात्रों को जागरूक करने की अच्छी पहल है। रामेश्वरम समूह के प्रबंध निदेशक चंद्रकांत रायपत ने कहा कि राज्य सरकार को विनिर्माण क्षेत्र के बुनियादें ढांचे के विस्तार करने के लिए निवेश लाना होगा। मेकॉन के पूर्व प्रवर्तन निदेशक अरविंद कुमार ने विश्वविद्यालय के छात्रों को सीएडी कौशल प्राप्त करने की सलाह दी। उषा मार्टिन के सीनियर जीएम बालकृष्णन वरियन ने छात्रों को शॉफ्ट स्किल में कौशल बढ़ाने की सलाह दी। साथ ही सफलता के लिए चरित्र निर्माण के महत्व पर जोर दिया। मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ बीएम सिंह, शैक्षणिक सलाहकार डॉ हरिहरण, विवि कर्मी समेत छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

इस सत्र से शुरू हो रहे हैं तीन नये कोर्स

ईक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड में वर्तमान सत्र से तीन नए कोर्सों की शुरुआत हो रही है। विनिर्माण क्षेत्र में बढ़ते रोजगार को देखते हुए विवि द्वारा डिप्लोमा इन टेक्नोलॉजी प्रोग्राम मेनयूफेक्चरिंग, बीएससी इन कप्यूटर साइंस एवं बीकॉम इन बैंकिंग कोर्स की शुरुआत करने जा रही है। जो सभी कोर्स तीन वर्षीय हैं। कुलपति डॉ राव ने बताया कि इन कोर्सों में पढ़ाई के साथ छात्रों को इंटर्नशिप भी करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि झारखंड के स्थानीय छात्रों को फीस में 25 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। ईक्फाई विवि से पढ़ाई करने वाले छात्रों स्कॉलरशिप परीक्षा के माध्यम से 25-55 प्रतिशत तक का स्कॉलरशिप दी जायेगी।

सन्मार्ग | रांची रांची, गुरुवार, 21 मई 2015 www.sanmargjharkhand.com 04

कॅरियर की संभावनाओं पर संगोष्ठी में उभरे विचार

तकनीकी पेशेवरों के लिए अवसर बढ़ेंगे

संवाददाता

रांची : ईक्फाई विवि तथा इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स के सहयोग से अगले पांच वर्षों में विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन बुधवार को विवि के दलादली चौक परिसर में किया गया। संगोष्ठी को उषा मार्टिन, मेकॉन, हिंदुस्तान टाईल्स जैसे कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों ने संबोधित किये। इस मौके पर विवि के कुलपति प्रो. ओ आर एस राव ने कहा कि प्रधानमंत्री के मेक-इन-इंडिया की पहल पर विनिर्माण क्षेत्र में अगले पांच वर्षों में तकनीकी पेशेवरों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए संस्थान ने अपने पाठ्यक्रमों में जरुरी बदलाव किये हैं। इसमें मौजूदा बीटेक के पाठ्यक्रमों के अलावा तीन वर्षों का प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा का कोर्स इसी सत्र से शुरू किया जायेगा। बीटेक के मैकेनिकल में सीएएम और सीएमडी के पाठ्यक्रमों को भी अपडेट किया गया है। इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) के पूर्व अध्यक्ष ए पी राय ने कहा कि तकनीकी विषयों की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों के लिए समय-समय पर इस तरह के कार्यशाला आयोजित करने की जरुरत है।

जिन्होंने किया संबोधित

रामेश्वरम समूह के प्रबंध निदेशक चंद्रकांत रायपत ने राज्य में बुनियादी ढांचे में सुधार करने के लिए निवेश करने, मेकॉन के पूर्व प्रवर्तन निदेशक अरविंद कुमार ने कैड में कौशल विकसित करने, उषा मार्टिन के सीनियर जीएम बालकृष्णन ने सॉफ्ट स्किल विकसित करने के साथ-साथ चरित्र निर्माण करने की बात कही। इस मौके पर विवि के कुलसचिव बी एम सिंह, शैक्षणिक सलाहकार हरिहरण सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं व विद्यार्थी मौजूद थे।